अकास गंगा

अकास गंगा

जगदीश प्रसाद मण्डल

पल्लवी प्रकाशन
बेरमा/निर्मली

AKAS GANGA (अकास गंगा)
Anthology of Maithili Songs by Shri Jagdish Prasad Mandal

ISBN: 978-93-88811-48-4
दाम: 150/- (भा.रु.)

दोसर संस्करण: 2023 (पहिल संस्करण: 2020)

प्रकाशक: पल्लवी प्रकाशन
तुलसी भवन, जे.एल.नेहरू मार्ग, वार्ड नं.: 06, निर्मली
जिला- सुपौल, बिहार: 847452
मुद्रक: पल्लवी प्रकाशन (मानव आर्ट)

वेबसाइट: http://pallavipublication.blogspot.com
ई-मेल: pallavi.publication.nirmali@gmail.com
मोबाइल: 6200635563; 9931654742

फोण्ट सोर्स: https://fonts.google.com/,
https://github.com/virtualvinodh/aksharamukha-fonts
आवरण: श्रीमती पुनम मण्डल, निर्मली (सुपौल), बिहार: 847452
अक्षर संयोजन: डॉ. उमेश मण्डल

काव्य-क्रम

नजैर-नजैरमे तफरका भैया

नजैर-नजैरमे तफरका भैया
सभ दिन होइत एलैए।
कहियो नावपर गाड़ी
तँ कहियो नाव चढ़ैत एलैए।
नजैर-नजैरमे तफरका भैया
सभ दिन होइत एलैए।
नजैर-नजैरमे...।

जेकर जेहेन नाड़ि-नर
से तेहने नर धड़ैत एलैए।
नर-नाड़ीक नाड़ी पकैड़
नारि-नर कहैत एलैए।
नजैर-नजैरमे तफरका भैया
सभ दिन होइत एलैए।
नजैर-नजैर...।

नर-नारीए-क बीच ने सृष्टि
सभ सृष्टि करैत एलैए।
कहियो बघबा कहियो बिलरबा
माए-मौसी कहैत एलैए।

माए-मौसी कहैत एलैए।
नजैर-नजैरमे तफरका भैया
सभ दिन होइत एलैए। ❑

अपने मन ठकैए

अपने मन ठकैए, मीत यौ
अपने मन ठकैए... ।
करवनो बुधियारक यार कहि
बुड़िबकीक वाण छोड़ैए यौ ।
उठल मुड़ी मुड़िया-मुड़िया
धरतीपर रगड़ैए यौ ।
धरतीपर रगड़ैए यौ ।। अपने मन ठकै... ।

करवनो वीरक तीर पकैड़
उनटल वाण छोड़ैए यौ
उनैट-उनैट वाइन बन
झुठिया नाम धड़ैए यौ ।
झुठिया नाम... ।। अपने मन ठकैए... ।

करवनो हीरोक हीर पकैड़
जहाज हवाइ उड़बैए यौ ।
भू-हवाक क्षितिज छेद बनि
नाक-कान कटबैए यौ ।। नाक-कान... । ❑

केकरो गारि सुगारि

केकरो गारि सुगारि बनि-बनि
केकरो गारि कुगारि बनै छइ।
सुगारि-कुगारि बीच बुधियारि
बीचो-बीच हँसैत चलै छइ।
बीचो-बीच हँसैत...।

जहिना धार धैड़ धरि
तहिना जिनगी जीत धड़ै छइ।
कुबाटि-सुबाटिक बीच मानि
मने-मन मतल चलै छइ।
मने-मन मतल चलै छइ।

जखने मन मणिक बन
तखने विचरण धार बहै छइ।
धारक धार धड़ि धैड़ धए
धैर्य धीरज धीर बनै छइ।
धैर्य धीरज धीर...।

पबिते धैर्य धीर धार बीच
सान-असनान नहान करै छइ।

धारे ने गंगोक रूप सजि
सागर गंगाक बीच मान बनै छइ।
सागर गंगाक बीच मान... । ❑

साँझ-भोर

साँझ-भोर जिनगीक पट पकैड़
भोराएल-साँझ विचारि चलू।
रीमझीम-रीमझीम मनसून मन
जिनगीक गीत गबैत चलू।
जिनगीक गीत... ।

जँ जिनगीक पट नहि पकैड़
रीत-परतीत केना पेब पएब।
बिनु परतीत रीत केना
परप्रीत पीर केना पीब पएब।
पर प्रीत पीर केना... ।

वृन्द बन बीच विचार
बन बीच मन विचरण करै छइ।
ले-ऊँच ऊँच-ले लीक पकैड़
चिर-परिचित परिचय करै छइ।
चिर-परिचित... ।

जखने परिचय पेब समसार
मधुकलश कलशाए लगै छइ।

जिनगीक जिनगी रस पीब
रसाएल रसिया रसए लगै छइ।
रसाएल-रसिया...। ❑

समाजक बान्ह छेक

जेकरा खुजल समाज कहै छी
बान्ह-छेकसँ भरल-पड़ल छइ।
बान्हो-छेक कि बान्ह-छेक जकाँ
घरे-घर घोड़छान बनल छइ।
घरे-घर घोड़छान...।

जाति-धर्म उम्र भेद कहि-कहि
एक दोसरपर चाप पड़ल छइ।
जाति-धरम केतौ छीनि-छीनि
तँ केतौ अर्थदण्ड चुकबै छइ।
तँ केतौ अर्थदण्ड...।

अर्थदण्ड महादण्ड लए-लए
अर्थहीन बनबैत एलैए।
केतौ भीखमंगा बाट पकड़ा
तँ केतौ विचारहीन कहैत एलैए।
तँ केतौ विचारहीन...।

बिनु विचारि समाज निरैम
विचारवान समाज बनैत एलैए।

विचारहीन समाज ओहिना
नाँगैर पकैड़ नाँगट करैत एलैए।
नाँगैर पकैड़...।

भाय, समाज तँ समाजे छी
बनि एक आकि बटमारि करू।
बटमारिसँ घटवारि बनि-बनि
बट-घट जीवन बेतीत करू।
बट-घट जीवन...। ❑

दियादी

जयनगर-जगरनाथ मेल ट्रेनमे
तिलकोर-कुरलीक चेहरा मिलल।
एक-दोसरपर नजैर गड़िते
हब-भव क्रियमान मिलल।
हब-भव क्रियमान... ।

ऊपर-नीचा सीट छल दुनूक
ऊपरे-तरे दुनूक आँखि मिलल।
रंग-रूप विचार एक देखि
हाथ मिला एक संग चलल।
हाथ मिल एक... ।

जहिना एकक पात गुणमणि
तहिना दोसरक फड़ कहबै छइ।
ऊपरसँ सभ किछु एक रहितो
पात-फड़ गुण भेद करै छइ।
पात-फड़ गुण... ।

एकवंश एक मूल रहितो
कुल-शील गुण भेद करै छइ।

एक पात दोसरकेँ दुसि-दुसि
फड़ो फरिछा कहै छइ।
फड़ो फरिछा...।

देव-गण बीच जखन दुनू
अपन-अपन बखान करै छइ।
एकक फड़ जहिना मीठगर-रूचिगर
तहिना दोसर पात कहै छइ।
तहिना दोसर...। ❑

ओइ पोखरिक मानियेँ की?

जे पोखैर हेलै जोग नै हुअए
ओइ पोखैरमे हेलब केना?
जइ पोखैर बिनु महारक हुअए
ओ पोखैर पोखैर भेल केना?
कट्ठा-कट्ठा बीघा-बीघा
चौर पानि बास करै छइ।
बिनु महारक चौरी जहिना
तहिना ने बिनु जाइठियो कहै छइ।
तहिना ने बिनु...।

ओइ पोखरिक मानियेँ की
जइमे डुमकी काटि नइ पाबी
लीढ़-समाढ़, केचलीसँ भरल
कमल-कलीकेँ देखि नइ पाबी।
सिंहार-माछ-मखानक चर्चे की
भैंटो-भाँट पेब नइ पाबी
भैंटो-भाँट...।

ओइ पोखैरक मानियेँ की
रूप बदैल पोखैरिये समाज ने

अपन नाम गुण-गान करै छइ।
जहिना तहे-तह पानि तहिया
तहिना ने समाजो तहिया कहै छइ।
तहिना ने...।

जइ समाजक गाम उजड़ल
ओइ गामक मानियेँ की
जे वद्वान समाज नइ पूजल
ओइ विद्वावनक मानियेँ की?
ओइ विद्वानक मानियेँ की?
ओइ पोखरिक मानियेँ की?
ओइ पोखरिक...। ❑

नवका बास

बिनु बसल-बसाएल धरतीपर
नव घर बसि बास बनै छइ।
नव-घरिया नव-गाम कहि-कहि
गामक-गामक उठए लगै छइ।
नव बासक नव सुवास, नव रंग
बिखैर-बिखैर बिखरए लगै छइ।
नव चास संग नव बास सजि
गामक शकल-सूरत धरै छइ।
गामे, गाम समाज रूप पकैड़
नव समाजक रूप सजबै छइ।
बिनु बसल-बसाएल धरतीपर
नव घर बसि बास बनै छइ।

समाजक बीच समाज गाम-बास
विचार-विचरण करए लगै छइ।
विचैड़-विचैड़, विचारि-विचारि
कोने-कानी देखए लगै छइ।
जहिना खेतक कोन-कान
तहिना समाजोक कोन-कान बनै छइ।
कोने-कानी, कोन-कान ताकि

सम्पन्न बास समाज बसै छइ।
सम्पन्न बास समाज बसै छइ।
बिनु बसल-बसाएल धरतीपर
नव घर बसि बास बनै छइ।

बसिते बास वन बनि-बनि
बास वनबास बनए लगै छइ।
बासी-वनवासी बनि-बनि
ॠृषि-मुनी कहबए लगै छइ।
रीसे-रिसिया ॠृषि-ॠृषि
मन मुनि मुनी कहै छइ।
भैया हमर तोहर गतिये की
सद्गति नहि तँ दुरगति रखले छइ।
सद्गति नहि तँ दुरगति रखले छइ। ❑

जिनगीमे जे

जिनगीमे जे संग पुरैए
संगी वएह कहबैत चलैए।
संग ससैर, घुसैक-पुसैक संग
प्रेमी मित्र संगी कहबैए।
जिनगीमे जे संग पुरैए
संगी वएह...।

मित्र बनि मैत्रेयी पकैड़
जिनगीक झूल झूलैत रहैए
लेखव-जोखव कर्मक करैत
गुण गुण मन गुणैत रहैए।
जिनगीमे जे संग पुरैए
संगी वएह...।

संगी, प्रेमी दोस्त-भजार
बैस बाट बतियाइत कहैए।
संग-कुसंग, कुसंग-संग बीच
नीड़ नोर निड़बैत चलैए।
जिनगीमे जे संग पुरैए
संगी वएह...।

संग-संग ससैर-ससैर
प्रेमी मित्र कहबैत चलैए।
जखने प्रेम मित्र उगाबे
उगल सुर्ज देखैत रहैए।
जिनगीमे जे...। ❑

हे बहिना केनाकऽ जेबै ओइ घरिया

हे बहिना केना कऽ जेबै ओइ घरिया
थुक फेकि जइ घर निकललौं
थूककेँ केना अपमान करबै।
थूके-थूक ने सटि दुनू
हटिते दुनू मान करबै।
हे बहिना...।

जनि-जनि बीआ वाणी-बानि
लतरै-चतरै छै फुलबतिया
सुबास-कुबास नाओं धड़ा-धड़ा
दिनो हेरि हेरलक रतिया।
हे बहिना केना कऽ जेबै ओइ घरिया
थुक फेकि...।

पुरुखपात रहलै ने एक्को
रखतै के छत छतिया
घरहरिया एको ने बँचलै
जगौतै के मत-मतिया
हे बहिना केना कऽ जेबै ओइ घरिया।
थुक फेकि...।

मिथिला मोहैन मथि मिथिला
कहि छुतहर घरहरिया।
दूध-फूल बीच भेद ने मानि
छुतहरो बनतै घरहरिया।
छुतहरो बनतै घरहरिया
हे बहिना...। ❑

हे आशुतोष

हे आशुतोष शंकर अहाँ
हमर करबैन दुख मेटब।
आस-आशा मन जगा।
रूप अहाँ केर देखब।
हे आशुतोष... ।

बहैत-बहैत अश्रुभूमि सुखि गेल
कि लए आर्त्त उतारब।
कनैत-कनैत कनमुँह मौल गेल
कि लए करब सुआगत
हे आशुतोष... ।

सभ दिन दुखक तर दबेलौं
सुखक सुख कहियो ने पेलौं।
चुहैट हृदय तोष पकैड़
मनुखक गति कहियो ने पेलौं।
हे आशुतोष... ।

सिसैक-सिसैक हृदय अपन
सदिकाल बेथा सुनबैए

अन्तो-अन्त उतैर आर्त्त
सिहैर-सिहैर सिहकैए।
हे आशुतोष...।

धीर होइत धीरज मेटा गेल
थीर होइत विवेक थिड़ैक गेल।
झड़ैक-झड़ैक ज्ञान झड़ैक
पड़ले-पड़ल सभ हेरा गेल।
हे आशुतोष...। ❑

मनक फूल

मनक फूल फुलाइत रहै छै
मनमे फूल फुलाइत रहै छै
भोरहरबे वसन्त जहिना
मेघ ललौन बनैत चलै छै।
मनक फूल फुलाइत रहै छै
मनक फूल...।

पकैड़ उमा सिरैज लाली
राग वसन्त गबैत चलै छै।
मनक फूल फुलाइत रहै छै
मनक फूल...।

रीत-सुरीत फूल-फुलैक-फलैक
फूल-फल मिलबैत चलै छै।
मनक फूल फुलाइत रहै छै
मनक फूल...।

जोड़ि-जाड़ि मसुआ-छिड़िया
बरहमसिया कहबैत चलै छै।

मनक फूल फुलाइत रहै छै
मनक फूल... ।

मार टाँहि अलप-अलैप
बारहो मास चलैत रहै छै ।
छअ मसिया चौमासा नहि
बरहमसिया गबैत चलै छै ।
मनक फूल... । ❑

फूल मनक

फूल मनक फुलाइ केहेन छै
मनमे फूल फुलाइ केहेन छै।
जेहने जेकर मन रहै छै
तेहने तेकर फूल धड़ै छै।
फूल मनक...।

जेहेन जेकर फूल सजै छै
तेहेन तेकर फुलवाड़ी रहै छै।
फुलबारियो तेहने तेकर
जेहेन जेकर माली रहै छै।
फूल मनक...।

फूलोक तँ भिन-भिन किरदानी
तीत-मीठ बिखड़ैत रहै छै।
तीतमिट्ठी बनि-बनि बिलैह
खून-पानि मिलबैत चलै छै।
फूल मनक...। ❑

बेकाल-काल

बेकाल-काल कुहुकैत रहै छै
चमचमाइत घुसुकैत रहै छै।
जेहेन जेकर फूल रहै छै
कोढ़ी-वाती तेहने बनै छै।
बेकाल-काल कुहुकैत रहै छै।
चमचमाइत घुसुकैत रहै छै।
चमचमाइत...।

कोढ़िक कोढ़िपना नहि-नहि
रूपक रूपगामिनी रहै छै।
ससैर-सरैक बदैल रूप
फूल बाती बनबए लगै छै।
बेकाल-काल कुहुकैत रहै छै।
चमचमाइत घुसुकैत रहै छै।
चमचमाइत...।

कालोक कि कम अछि किरदानी
अकाल-सकाल बनबैत रहै छै।
सुति-जागि सभ चलि-चलि
गाल-काल बनबैत रहै छै।

गाल-काल बनबैत रहै छै।
बेकाल-काल कुहुकैत रहै छै।
चमचमाइत घुसुकैत रहै छै।
चमचमाइत...। ❑

जेहेन जेकर

जेहेन जेकर बगए रहै छै
तेहेन तेकर वाणि चलै छै।
जेहेन जेकर बाइन चलै छै
तेहेन तेकर बौस बनै छै।
जेहेन जेकर वगए रहै छै
तेहेन तेकर बाइन चलै छै।

एक बाइन बाँसक चलै छै
दोसर व्यौंत-बेति-बेति होइ छै।
तेसर सिक्की सिक चढ़ै छै।
डाला-डाल सुसकारी भरै छै।
जेहेन जेकर वगए रहै छै।
तेहेन तेकर बाइन चलै छै।

करवनो बानि उबानि चलि-चलि
कुबानि-सुबानि कहबैत चलै छै।
उबानि-सुबानिक भेद भेदिया
वेद-भेद बिकछा कहै छै-
तेहेन तेकर बाइन चलै छै।
तेहेन तेकर बाइन चलै छै। ❑

समय-साल

समय-साल सुसकारि चलै छै
समसमाइत-घमघमाइत रहै छै।
कोढ़ी-बाती-फूल पकैड़
चढ़ल वृक्ष लत्ती कहै छै।
समय-साल... ।

कोढ़िक कोढ़िपना नहि-नहि
रूपक रूपगामिनी कहै छै।
कोढ़ीक संग पकैड़-पकैड़
फूल कोढ़ी कहबए लगै छै
समय-साल... ।

सालोक कि अछि कम सनतानी
सुसमय-कुसमय बनबैत कहै छै।
जगत-जोर पकैड़-पकैड़
जगगामिनी बीच गजैत कहै छै।
समय-साल... । ❑

संग मान-समान

संग मान-समान चलै छै
मीत यौ, मानिक संग सम्मान चलै छै।
असगर जहिना फूसि वृहस्पति
मानो तहिना घटै-बढ़ै छै
एक नमरी दू नमरी बनि-बनि
किरदानी सभ करैत रहै छै।
किरदानी सभ करैत रहै छै।
मीत यौ, मानिक संग सम्मान चलै छै।
मीत यौ...।

अमान-मान बनि-बिगैड़
कुमान खेल खेलैत रहै छै
छीन-झपैट सुमन श्रृंग
रीत श्रृंगार सजैत रहै छै।
रीत श्रृंगार सजैत रहै छै।
मीत यौ, मानिक संग सम्मान चलै छै।
मीत यौ...।

जुग-जुगसँ ससैर-पसैर
अगो सिर चढ़ैत रहै छै।

जोग-अजोग कहि-सुनि
दुंदुभि बजबैत रहै छै।
दुंदुभि बजबैत रहै छै।
मीत यौ, मानिक संग सम्मान चलै छै।
मीत यौ...। ❑

जेहने शक्तिक रंग रहै छै

जेहने शक्तिक रंग रहै छै
तेहने रंग शक्तिक चढ़ै छै।
जेहने शक्तिक रंग चढ़ै छै
देव सिर तेहने चढ़ै छै
जेहने शक्तिक रंग...।

दुनियाँक भव भँवरमे
मित्र-इष्ट बिड़ले भेटै छै।
इष्ट, शिष्ट, अशिष्ट बनि-बिगैड़
मुकतिक तेहने मार्ग पबै छै।
जेहने शक्तिक रंग...। ❑

खेल खेलौना

खेल खेलौना खेल खेलै छी
मने-मन बपहारि कटै छी।
खेल खेलौना खेल खेलै छी।

एक खेलौना छी मन रंजन
दोसर जीवन धार बनैए।
कदम डारि झुलि-झुलि झूला
जमुना धार महार बनैए।
खेल खेलौना...।

नै हँसि कानि नै पार पेब
मन-मरदन करैत रहै छी
खेल खेलौना खेल देखै छी
मने-मन बपहारि कटै छी।
खेल खेलौना खेल देखै छी। ❑

प्रेमी पिया

प्रेमी पिया, हे प्रेमी पिया
पीरितिया जोगा-जोगा
हृदय रखियौ जीया
हे यौ प्रेमी पिया... ।

तड़ैस-तड़ैस मन तड़ैप रहल अछि
आस लगा बाट खोजि रहल अछि
नजैर उठा आबो कनी, तकियौ हिया
हे यौ प्रेमी पिया... ।

चीन्ह–पहचीन्ह सब उड़िया गेल
हवा झोंक पाबि सब छिड़िया गेल
आबो कनी नजैर उठा, दिअ हमरो जिया
हे यौ प्रेमी पिया... ।

सभ दिन संगे मिलि दुनू रहलौं
सुख-दुख सेहो संगे मिलि कटलौं ।
छाती खोलि सहेज-सहेज
दिल दिलेर धरु जिया
हे यौ प्रेमी पिया... । ❑

बिसैर गेल

बिसैर गेल मन तोरा
हे बहिना बिसैर गेल मन तोरा
जहिना गाछक फूल झड़ै छै
झरि-झरि खसलह तोरा
हे बहिना, बिसैर गेल मन तोरा।
हे बहिना...।

रहि-रहि सुमारक अबैए
देखैले हृदय तड़सैए
घन्टा-पहर-दिन बीतैए
दिन-पहर घन्टा बनैए
तोरा-ले मन तरसैए
नइ बिसरल मन तोरा
हे बहिना...।

खोद-बेद सदि करैत रहै छी
तोरा-पाछू घुमैत रहै छी।
लपैक-झपैक पाबए चाहै छी
झपैट पकैड़ बाँहि तोरा
हे बहिना, बिसैर गेल मन तोरा।
हे बहिना...।

कोसी-कमला दूर भगौलक

नैहर-सासुर सेहो मेटौलक।
हहैर-हहैर हृदय झरि-झरि
सटबै छाती तोरा
हे बहिना...। ❑

आबो कनी विचारू

आबो कनी विचारू
भाय यौ, आबो कनी विचारू।
भुखे भगलौं, सभ जनैए
दुखे भगलौं, सभ जनैए।
भरल पेट विचारू
आबो कनी विचारू
भाय यौ...।

जहिया जे भेल, से तहिया भेल
भूत गेल, भूतकालो गेल।
बीर्तमानक कथा-बेथा संग
भवितव्य भविस विचारू
आबो कनी विचारू
भाय यौ...।

कमा-खटा कऽ दुख मेटेलौं
भूख-पियास सेहो, भगेलौं।
एक संग विवेक विचारू
भाय यौ, आबो कने विचारू।
भाय यौ...। ❑

सुआगत अपनेक

सुआगत अपनेक करै छी
अभिगत अपने सुआगत करै छी।
गुरु-गरु बड़ सिर सिरजन बर
हारि-हीय हेराइत कहै छी
सुआगत अपनेक करै छी।
नैन-बैन संग, बैन-चैन संग
चैन-मैन संग, मानि सानि कहै छी
तथागत,
अपनेक सुआगत करै छी।

असि आस निरास संग
बास बसि बिसवास कहै छी।
हम-अहाँ, अहाँ हम
गोपी-गोप गोपाल कहै छी।
सुआगत अपनेक करै छी
अभिमत,
सुआगत अपनेक करै छी
सुआगत...। ❑

वृद्ध केना

वृद्ध केना भेलिऐ
आँइ यौ बौआ
वृद्ध केना भेलिऐ।
बाटे बहैक-बहैक
धक बाढ़ि हेललिऐ।
वाम-दहिन भाँज बिनु
बुझि सूर भड़लिऐ।
वृद्ध केना...।

बसि बास पीपही गछिया
रिआइते खिया खिऔलिऐ
निमोछा-निमोछी कहि सुनि
आम-कटहर कहौलिऐ।
बौआ, आम-कटहर कहैलिऐ।
वृद्ध केना...।

सात दिन सातो जनम
बुझियो नै कहाँ पेलिऐ।
तेहने आसो असा

पेब-पेब झखौलिऐ।
भाय यौ, पेब-पेब झखौलिऐ।
वृद्ध केना... ।

वृद्ध-सँ-समृद्ध कहबए
समृद्ध समाज कल्पित छै
साज सिंगार सोल्हो कला
रीत वसन्त सूर तानि कहै छै।
बुझियो कहाँ पेलिऐ।
भाय यौ, बुझियो कहाँ पेलिऐ।
वृद्ध केना... ।

सभ चाहए वसन्ती-वसन्त
धक्का बुढ़ाढ़ी खाइत अबैए।
गजुआ-बँझिया बाँझ-बहिला
लस-लसाइत बनैत एलीए
लस-लसाइत... । ❑

समय केर

समय केर भूचालिमे
जिनगी बोहिया गेल।
जी-वन वन जीवन बीच
बोहिआएल बाट बटिया गेल।
समय केर... ।

सजल-बसल मन मनिक
विष-विसाइन बनैत गेल।
उजैड़-उपैट झाड़-झपैट
सखुआ शंख रोपा गेल।
समय केर... ।

घुमि-ताकि जखैन पाछू
मड़ियाएल मेघ देखै छी।
हरल-मरल बाट-घाट
घटिया घाट पबै छी।
समय केर... ।

पकैड़ पएर चारिम पहर
अस्ति-चल-हस्ति भेटैत गेल।

घेरि-घेरि घेँट घेँघिया
दुखरा-दुख कहैत गेल।
समय केर...। ❑

भगवती गीत

एना किए बनेलौं हे मइये
एना किए बनेलौं।
दुनियाँ रचै-बसैले
दुनियाँ अहाँ बनेलौं।
भूमा भोग भगा-भगा
माइयक कोर छोड़ेलौं।
हे मइये...।

सुखल रोटी अल्लू सनि सानि
दिन-राति किए खुएलौं
बाँकी भगा-भगा कऽ
रोग-वियाधि पठेलौं
एना किए...।

जामंतो फूल-गाछ सिरैज
जामंतो फूल-फल सजेलौं
चीन-पहचीन विस बिसरा
अगुआ थारी खिंचलौं, हे मइये
एना किए...।

बानि बहारि नैन दहाड़ि
बनवासी बना पठेलौं।

कलैप-तड़ैप तैयो कहै छी
हीय किए ने जगेलौं
एना किए... । ❑

आनक बोझ

आनक बोझ उठाबै खातिर
अपनो बोझ भड़ैक गेलइ।
दबि-दबि, उनैर-उनैर
जुन्ने बीच ससैर गेलइ।
मीत यौ, जुन्ने बीच ससैर गेलइ।
अपनो... ।

पसरल पानि धार तरहत्थी
बीतल-अतल बनैत गेलइ।
सिर ससैर-ससैर सर
अपनो पएर पिछड़ैत गेलइ।
मीत यौ, अपनो पएर पिछड़ैत गेलइ।
अपनो... ।

रहलै ने सुधि-बुधि मिसियो
मोसिआनी बदलैत गेलइ।
उज्जर कागज-कलम कहि-सुनि
आखर कारी अंकड़ैत गेलइ।
मीत यौ, आखर कारी अंकड़ैत गेलइ।
अपनो... ।

घुरि घूर घुड़लै जखैन
मेघ मरि मरैत गेलइ।
कटि कोदारि कोदरकट्टा भऽ भऽ
रूप अमावस धड़ैत गेलइ।
जुन्ना बनि ससरैत गेलइ।
अपनो...। ❑

अड़कन-मरकन

अड़कन-मरकन बीछि-बीनि
सूर-तान तनैत एलौं।
कूह केना फटै अमावस
भोर-साँझ कहैत एलौं।
भोर-साँझ कहैत एलौं।
अड़कन... ।

परात-पराती सान सानि
लहैर स्वर लहरैत एलौं।
रौद-बसात अङेज-अंग
ता-थइ नाच नचैत एलौं।
ता-थइ नाच नचैत एलौं।
अड़कन... ।

तम-तमाएल परती-परात
रस-रसा रसाइत एलै।
घोंटे-घोंट घेँट घोंटि
रस अमृत पीबैत गेलै।
रस अमृत पीबैत गेलै।
अड़कन... ।

मृत-अमृत सटल-हटल
रंग-रास रसबैत एलै।

जाबे बरतन ताबे करतन
करम-धरम बुझबैत एलै।
करम-धरम बुझबैत एलै।
अड़कन...। ❑

हाल-बेहाल

हाल-बेहाल नेहाल बनिते
प्रेमी प्रेम छोड़ैत एलै।
पाबि वसन्त भोम्हरा जेना
रस अन्हार धड़ैत एलै।
रस अन्हार धड़ैत एलै।
हाल-बेहाल... ।

पुंज पुष्प परमलील बनि-बनि
राग-विराग जपैत एलै।
जोग-भोग जोगिया-भोगिया
सजि सम्बन्ध सजैत एलै।
सजि सम्बन्ध सजैत एलै।
हाल-बेहाल... ।

जोर बाजि ललकारि ललैक
शुम्भ-निशुम्भ रचैत एलै।
समय शुभ-अशुभ काल कहि-कहि
समय-काल खेलैत एलै।
समय-काल खेलैत एलै।
हाल-बेहाल... ।

बनिते काल समय कलि कलिया
अपराजित रंग कहैत एलै
रंग संग लत्ती लत-लतैड़
फूल रंग बदलैत एलै।
फूल रंग बदलैत एलै।
हाल-बेहाल...। ❑

आजादीक उमंग

आजादीक उमंग उमैक
घाटे-बाट छिछिया गेलौं।
सत्त-समुद्र पहाड़ बीच
डेगे-डेग वौआ गेलौं।
भाय यौ, डेगे-डेग बौआ गेलौं।
घाटे-बाट...।

तल मोड़ि तम तमाएल पताल
छुबुधि भऽ छुछिया गेलौं।
आजादीक उत्साह उमैक
दिने-राति भोतिया गेलौं।
भाय यौ, दिने-राति भोतिया गेलौं।
घाटे-बाट...।

प्रशान्त-शान्त ललिया कलिया
जोर पकैड़ डिरिया गेलौं।
डिरियाइत पताल-अकासमे
डोह डाबर डीह कहेलौं।
आजादीक उत्साह उमैक
घाटे-बाट बौआ गेलौं।
भाय यौ, घाटे-बाट...।

बोन-बोनैया गीत गाबि
बनि शिकारी वीण बजेलौं।
मोड़ि मनुआ तोड़ि जिनगी
दिने-देखार बहकैत गेलौं।
दिने-देखार बहकैत गेलौं।
बाटे-घाट...।

ठाढ़े-ठाढ़ ठिठु ठिठुरि-ठिठुर
रौद पाबि लुलुआ गेलौं।
बनि बरखा वसात कहि
तरे-ऊपरे दहा गेलौं।
आजादीक उमंग उमैक
घाटे-बाट बौआ गेलौं।
भाय यौ, घाटे-बाट...। ❑

बुधिये भोतिया गेल

भोथ बुधि भोतिया गेलै
भाय यौ, कोकनल जड़ि रोपा गेलै।
बुधिए भोतिया गेलै।

जेना-जेना जड़ि जड़ जड़िया
कोन-कान तहिना कोनिया गेलै।
सुख-दुखक बीचमानि मानि
दुखिया दुख-सुख सुखा गेलै
दुखिया दुख-सुख सुखा गेलै
भाय यौ, बुधिए...।

अपन कि परिवारो तेहने
फूले बीआ छीटा गेलै।
बनि माली मलकान पकैड़
भागे-भाग भोतिया गेलै।
भागे-भाग भोतिया गेलै।
बुधिए...।

घरे-घर सरे-सर समाज
पेन कट्ट लोटा पसरा गेलै
दइते मुँहमे पानि जहाँ

धरती बीच छिड़िया गेलै।
भाय यौ, धरती बीच छिड़िया गेलै।
बुधिए...।

जेहने वरवार गोनू झाक
पेनकट खाधि खुना गेलै।
देहे-मने पसैर-पसैर
भोथाएल बुधि भोथा गेलै।
भाय यौ, भोथाएल बुधि भोथा गेलै।
बुधिए...।

नीचाँ-ऊपर सुत सुता सुतिया
पटिया पाट पटिया गेलै।
चीत-पट, पट-चीत सुत सुतिया
रस-जिनगीक सोंखा गेलै।
जिनगी रस सोंखा गेलै।
जिनगीए हरा गेलै।
भाय यौ, बुधिये बोझिया गेलै।
बुधिए...। ❑

घर-घरा

घर-घरा घर घड़ा घैल
पकैड़ पग घैलची बैसल छै।
जल बीच जल धारा बनि
तन-मन बीच जलधार बहै छै।
तन-मन बीच जलधार बहै छै।
पग पकैड़ घैलची...।

बिनु पएर बिनु सीर सजि
दिवा राति बैस बैसल रहै छै।
मगन भऽ निमग्न बनि-बनि
संग समीर शीतल बनल छै।
संग समीर शीतल बनल छै।
पकैड़ पग घैलची...।

ठोप ठोकि पन बनि बनिते
आगू बढ़ि जलधार बनै छै।
अपन पथ पग-पग पकैड़
धार कमल खिलबए लगै छै।
धार कमल खिलबए लगै छै।
तन-मन बीच...।

बनि धार धर धरती कटि
ओर-छोर जिनगी बनबै छै।

उतर-दछिन दिस दिशा पकैड़
हँसैत जिनगी धार बहै छै।
हँसैत जिनगी धार बहै छै।
कमला गीत गाबि-गाबि
झल-झील सागर कमल सजै छै
नील स्वर नीलकण्ड कहि-कहि
नल-नील अकसि अकास उड़ै छै।
नल-नील अकसि अकास उड़ै छै।
तन मन बीच...। ❑

जा बौआ

जा बौआ नीन नइ तोड़ब
कियो ने जिनगी देखि पेबै।
जिनगी बिनु जिनगानी वएह
कोन सुर मुहेँ गाबि पेबै।
कोन सुर मुहेँ गाबि पेबै।
जा बौआ...।

नइ जा पुरूखपना पुरुखमे
नीन तोड़ि बटबानि गेबै।
बिनु भौके भकुआइए रहि
जीता जी जड़ाइत गेबै।
जीता जी जड़ाइत गेबै।
जा बौआ...।

समर भूमि संसारमे
खाड़ी तीन सजल पेबै।
देव-दानव मानव कहि
पशु चढल पबैत पेबै।
पशु चढल पबैत पेबै।
जा बौआ...।

टुटैत नीन जेना बगरा-बुगरी
उड़ि रजधानी पबैत पेबै

रजमाता बनि-बनि, सजि-सजि
साड़ी अकास सुखैत पेबै।
साड़ी अकास सुखैत पेबै।

जागू-जागू, तोड़ू-तोड़ू
भक-भौक जिनगीक बाट पेबै
बोले-बोल घोर घोरि-घारि
कटैत जिनगीक बाट पेबै।
कटैत जिनगीक बाट पेबै।
जा बौआ...। ❑

लत-लत लत्ती

लत-लत लत्ती लप लपैक
बिनु पएरे दौगैत चलै छै।
गरे-गर गोर गाड़ि-गाड़ि
आगू उठि अँखिमुनी तकै छै।
आगू उठि अँखिमुनी तकै छै।
लत-तल लत्ती... ।

उठ-उठि ऊपर उठि उपैक
दस दिस जिनगी पबए चाहे छै।
कर-कड़चीक सहयोग पाबि
घर-मचान गृहबास करै छै।
घर-मचान गृहबास करै छै।
लत-तल लत्ती... ।

हँस हँसि आँखि फड़-फड़का
केतौ पात केतौ फूल सजै छै।
तँए कि केतौ वेद-भेद-कुभेद
फूलपात देव शीश चढ़ै छै।
फूलपात देव शीश चढ़ै छै।
लत-तल लत्ती... । ❑

पीड़ित रीति

बिनु तीत परतीत केना
पीड़ित रीति बानि बनि पेतै।
गर-गरा गरदनि पकैड़
सुरीति रीति केना गाबि पेतै।
सुरीति रीति केना गाबि पेतै।
पीड़ित रीति...।

रस तीत बीस बाणि पकैड़
जी जिनगी बँटाइत जेते।
हंस जेना दू-पन निरा
पी-पीबि दूध पानि फेकतै।
पी-पीबि दूध पानि फेकतै।
पीड़ित रीति...।

बाट पकैड़ रति रीत रीत
मन मन्दिर केबाड़ खोलतै।
हरक पट पाट पकैड़-पकैड़
नासा-आसा संगे चलेतै।
नासा-आसा संगे चलेतै।
पीड़ित रीति...।

रति देखि रीतराज पकैड़
मसिया मसि-मसि मास कटेतै।
कहियो शिशिर शरद कहियो
मीलि-मील बारहो मास गेतै।
मील-मिल बारहो मास गेतै।

रंग-बिरंगक चान सुर्ज
संगे-संग दिन-राति चलै छै।
अपन-अपन सभ बोले-बाइने
पार्वतीक पार शिव पबै छै।
पार्वतीक पार शिव पबै छै। ❑

अकार-सकार

सुखाएल धार सुखा-सुखा
अकार-सकार धेने रहै छै।
धड़ि-धार धरा मन कहियो
समरीत सुख पेने रहै छै।
समरीत सुख पेने रहै छै।
अकार-सकार...।

घटि-घट माटि बालु भलेँ
माटि-माटिकेँ कहैत रहै छै।
पातक पानि पता केने
समय संग छिलिया कहै छै।
समय संग छिलिया कहै छै।
अकार-सकार...।

धड़ धड़ि धरती धार धैड़
बल-बलदान होइते रहै छै।
तँए कि पानिक प्रीत बिसैर
धड़ा नाओं धेने रहै छै।
धड़ा नाओं धेने रहै छै।
अकार-सकार...।

बेसिया बेस अदैल-बदैल
जीवन्त जीन जीवन कहै छै।
तँए कि प्रेमीक अटल प्रेम
संकल्प शक्ति डिगैत कहै छै।
संकल्प शक्ति...।

करम अपन करतब अपान
सुख सोपान सुखबाट कहै छै।
चित्रकूट सुग्गा पढ़ि-पढ़ि
सुखाएल धार टपान कहै छै।
सुखाएल धार...। ❑

टेनशन बीच पड़ल छी

टेनशन बीच पड़ल छी
मीत यौ, बीच टेनशन पड़ल छी।
मनक ताप संताप बनि-बनि
मने मन गमकै-महकैए।
भीतर-बहार गठजैड़ जोड़ि
सीर टेनशन सनियाए कहैए।
सीर टेनशन सनियाए कहैए।
टेनशन बीच... ।

समय संग-संग पेब पबि
कोढ़ी-बाती फूल सजैए।
अबैत हवा पट पीठ पाटि
टेनशन टनटनाइत कहैए।
टेनशन टनटनाइत कहैए।
टेनशन बीच... ।

जाबे विचार संग नहि
हसि हंस हँसि गाबि कहत
ताबे मन-मन्दिर बीच
सखी-बहीनपा टारि सकत।
सखी-बहीनपा... ।

ताबे गोटी लाले रहत
जाबे गोटी अनचिन्ह रहत।
तँए कि ओकरा लाल कहबै?
जाबे अपन चिन्ह नइ करत।
जाबे अपन चिन्ह...। ❑

आन्ही-अन्हर

अन्हर केर अन्हार टपैमे
आन्ही-अन्हर झेलए पड़ै छै।
झेल-झेल झालड़ि झल-झाड़ि
नागिन राग अलापए पड़ै छै।
नागिन राग अलापए पड़ै छै।
आन्ही-अन्हर...।

रातिक राति अन्हार वाणि
गहे-गह गहि गहियबैत रहै छै।
रेहे रेह राही राह रहि-रहि
राहगीर राह बनाबए लगै छै।
राहगीर राह बनाबए लगै छै।
आन्ही-अन्हर...।

जेहेन रीत तेहेन इजोतमे
दीन देखार देखबए लगै छै।
वेद-कुभेद भेद भेदि भेद
रुचि वेद पंच पचबए लगै छै।
पंच वेद रुचि पचबए लगै छै।
आन्ही-अन्हर...।

जएह अन्हार सहए इजोत
कल्पना सपना देखए लगै छै।
जागल, सुतल-सपनाएल मन
जिनगीक सार कहए लगै छै।
जिनगीक सार कहए...। ❑

सुफल काज

सुफल काज जेते जिनगीमे
सफल-सुफल कहबए लगै छै।
फले-फल वन-वन बनैत
बगिया बाग बनए लगै छै।
बगिया बाग बनै लगै छै।
सुफल काज...।

पूस पूसौंट कहि-कहि सुनि
मसिया फल पेबए लगै छै।
अधिया हस्त अधिया अदैर
परव मसिया पेबए लगै छै।
परव मसिया पेबए लगै छै।
सुफल काज...।

पखिया परव परवेरि-परवारि
सतिया सात सतिया लगै छै।
अंठिया आठिक आड़ि बनि
हपता-सपता बनए लगै छै।
हपता-सपता बनए लगै छै।
सुफल काज...।

काम-धाम की धाम-काम
मन मन्दिर मनबए लगै छै।

अगैल-बगैल लतैड़ फैड़
अमरलत्ती कहबए लगै छै।
अमरलत्ती कहबए लगै छै।
सुफल काज...।

छुच्छ हाथ मुँहमे जहिना
किछ ने दऽ पाबि पबै छै।
वेद भेदन भेद ने बुझि
कर्मक फल पबैत कहै छै।
कर्मक फल पबैत कहै छै।
सुफल काज...। ❑

‘पंगु’ उपन्यासक बाद जगदीश प्रसाद मण्डलजीक गद्य लेखन:

पंगु- (उपन्यास) लेखन तिथि: 11 मई 2018 सँ 6 जून 2018

749. ठका गेलौं- शब्द संख्या: 2052, तिथि: 18 जून 2018

750. हारि-जीत- शब्द संख्या: 3190, तिथि: 24 जून 2018

751. पनचैती पनपना गेल- शब्द संख्या: 1095, तिथि: 27 जून 2018

752. कुघाटक मृत्यु- शब्द संख्या: 1608, तिथि: 01 जुलाई 2018

753. एक तम्मा सिदहा- शब्द संख्या: 2014, तिथि: 5 जुलाई 2018

754. कियो ने पुछैए- शब्द संख्या: 1584, तिथि: 9 जुलाई 2018

755. केकरो कियो ने- शब्द संख्या: 718, तिथि: 11 जुलाई 2018

756. गपक पियाहुल लोक- शब्द संख्या: 1420, तिथि: 13 जुलाई 2018

757. उदय-प्रलय- शब्द संख्या: 1574, तिथि: 15 जुलाई 2018

758. हमरा नीक नहि लगैए- शब्द संख्या: 1458, तिथि: 19 जुलाई 2018

759. भारीपन भार बनि गेल- शब्द संख्या: 1471, तिथि: 21 जुलाई 2018

760. मानसरोवरक यात्रा- शब्द संख्या: 2576, तिथि: 31 जुलाई 2018

761. करतब- शब्द संख्या: 2132, तिथि: 04 अगस्त 2018

762. आमक गाछी- एक : शब्द संख्या: 3068, तिथि: 10 अगस्त 2018

763. आमक गाछी- दू : शब्द संख्या: 3553, तिथि: 17 अगस्त 2018

764. आमक गाछी- तीन : शब्द संख्या: 2484, तिथि: 22 अगस्त 2018

765. आमक गाछी- चारि : शब्द संख्या: 2291, तिथि: 28 अगस्त 2018

766. आमक गाछी- पाँच : शब्द संख्या: 2185, तिथि: 02 सितम्बर 2018

767. आमक गाछी- छह : शब्द संख्या: 4701, चोरा चान 12 सितम्बर 2018

768. आमक गाछी- सात : शब्द संख्या: 1805, तिथि: 15 सितम्बर 2018

769. अनचोकक अन्हार- शब्द संख्या: 924, तिथि: 19 सितम्बर 2018

770. आमक गाछी, आठ- शब्द संख्या: 1917, तिथि: 25 सितम्बर 2018

771. अपन बुधियारी अपने खेलक- शब्द संख्या: 1897, ति.: 23 सितम्बर 2018

772. आमक गाछी, नअ- शब्द संख्या: 1914, तिथि: 30 सितम्बर 2018

773. चटवाह- शब्द संख्या- 2134, तिथि: 4 अक्टूबर 2018

774. भगैतिया- शब्द संख्या: 2177, तिथि: 8 अक्टूबर 2018

775. अधमरू साँपक फुफकार- शब्द संख्या: 2196, तिथि: 12 अक्टूबर 2018

776. यादास्त- शब्द संख्या: 1870, तिथि: 15 अक्टूबर 2018

777. हमर मेला चोरि भऽ गेल- शब्द संख्या: 2062, तिथि: 19 अक्टूबर 2018

778. गरदैन हलैल गेल- शब्द संख्या: 1922, तिथि: 23 अक्टूबर 2018

779. दिवालीक दीप- शब्द संख्या: 2422, तिथि: 29 अक्टूबर 2018

780. हारि केना मानब- शब्द संख्या: 2054, तिथि: 02 नवम्बर 2018

781. अप्पन गाम- शब्द संख्या: 1940, तिथि: 06 नवम्बर 2018

782. परिछन- शब्द संख्या: 2661, तिथि: 11 नवम्बर 2018

783. झूठ सपना- शब्द संख्या: 2062, तिथि: 15 नवम्बर 2018

784. जिनगीक अन्तिम फल- शब्द संख्या: 2530, तिथि: 19 नवम्बर 2018

785. चरणबाबूक टैक्सी- शब्द संख्या: 2381, तिथि: 24 नवम्बर 2018

786. पुस्तकालय- शब्द संख्या: 2333, तिथि: 29 नवम्बर 2018

787. विचारभेद- शब्द संख्या: 2553, तिथि: 04 दिसम्बर 2018

788. एकरवा बानर- शब्द संख्या: 2793, तिथि: 09 दिसम्बर 2018

789. फकीरबा स्थान- शब्द संख्या: 2759, तिथि: 14 दिसम्बर 2018

790. रंगमे भंग- शब्द संख्या: 2237, तिथि: 20 दिसम्बर 2018

791. खिलतोड़ भूमि- शब्द संख्या: 2590, तिथि: 17 जनवरी 2019

792. बैगनक बगान बनरा गेल, तूँ मुँह तकै छह- श. 2590, ति. 22 जनवरी 2019

793. मटरक अजोह दाना- शब्द संख्या: 3473, तिथि: 03 फरवरी 2019

794. फुइसिक रग्गड़- शब्द संख्या: 2225, तिथि: 07 फरवरी 2019

795. उखमज- शब्द संख्या: 3964, तिथि: 16 फरवरी 2019

796. एकभग्गू बेटा- शब्द संख्या: 2286, तिथि: 19 फरवरी 2019

797. अगुताइ भेल- शब्द संख्या: 1054, तिथि: 22 फरवरी 2019

798. थैंक्यू पापा- शब्द संख्या: 965, तिथि: 24 फरवरी 2019

799. किसुनपुराक हाट- शब्द संख्या: 995, तिथि: 25 फरवरी 2019

800. धनखेतीक बैगन- शब्द संख्या: 1051, तिथि: 28 फरवरी 2019

801. चितवनक शिकार- शब्द संख्या: 1071, तिथि: 02 मार्च 2019

802. बुढ़ भेलौं तँ दुइर गेलौं- शब्द संख्या: 1086, तिथि: 04 मार्च 2019

803. धुआ साड़ी- शब्द संख्या: 1132, तिथि: 06 मार्च 2019

804. राजरोग- शब्द संख्या: 1274, तिथि: 10 मार्च 2019

805. संकल्प- शब्द संख्या: 1520, तिथि: 12 मार्च 2019

806. एकटा नमहर दुख मेटा गेल- शब्द संख्या: 1349, तिथि: 15 मार्च 2019

807. काजक मोल- शब्द संख्या: 1090, तिथि: 16 मार्च 2019

808. एतए बसव कठिन अछि- शब्द संख्या: 1010, तिथि: 19 मार्च 2019

809. स्वनिर्मित जिनगी- शब्द संख्या: 1091, तिथि: 22 मार्च 2019

810. कपटलालक मृत्यु- शब्द संख्या: 987, तिथि: 25 मार्च 2019

811. गामक ढहल समाज- शब्द संख्या: 966, तिथि: 27 मार्च 2019

812. लजगर लोक- शब्द संख्या: 1003, तिथि: 29 मार्च 2019

813. खरिहाँन उपैट गेल- शब्द संख्या: 1218, तिथि: 02 अप्रैल 2019

814. पगलपन- शब्द संख्या: 1113, तिथि: 04 अप्रैल 2019

815. छलाननक सराध- शब्द संख्या: 996, तिथि: 06 अप्रैल 2019

816. छाती बज्जर केलौं- शब्द संख्या: 1402, तिथि: 08 अप्रैल 2019

817. नाँहकमे दोख- शब्द संख्या: 1463, तिथि: 16 अप्रैल 2019

818. सग्गा पिऔज- शब्द संख्या: 1530, तिथि: 20 अप्रैल 2019

819. गाछसँ नमहर फड़- शब्द संख्या: 1003, तिथि: 22 अप्रैल 2019

820. जिनगीमे जान आएल- शब्द संख्या: 1198, तिथि: 25 अप्रैल 2019

821. जे संग नइ औत ओकरा संग नइ जेबै- श.सं.: 1080, ति.: 26 अप्रैल 2019

822. चौरस खेतक चौरस उपज- शब्द संख्या: 998, तिथि: 29 अप्रैल 2019

823. सिकिया नेता- शब्द संख्या: 1023, तिथि: मजदूर दिवस, 2019

824. मुँह खुजिते नाक कटि गेल- शब्द संख्या: 1475, तिथि: 04 मई 2019

825. जेकरे भर तेकरे डर- शब्द संख्या: 1214, तिथि: 06 मई 2019

826. ललियाएल चेहरा करियाएल मन- शब्द संख्या: 1194, तिथि: 09 मई 2019

827. पुरुखक भर- शब्द संख्या: 1109, तिथि: 12 मई 2019

828. भकमोड़मे पड़ि गेलौं- शब्द संख्या: 1411, तिथि: 15 मई 2019

829. अपन इमान मरि गेल- शब्द संख्या: 1071, तिथि: 17 मई 2019

830. गामक रूप बदैल देब- शब्द संख्या: 1004, तिथि: 19 मई 2019

831. कुभेला- शब्द संख्या: 992, तिथि: 21 मई 2019

832. देखौंस- शब्द संख्या: 945, तिथि: 23 मई 2019

833. समयसँ पहिने चेत किसान- शब्द संख्या: 1326, तिथि: 25 मई 2019

834. काजक मेहपन- शब्द संख्या: 947, तिथि: 27 मई 2019

835. पनरह किलोक कदीमा- शब्द संख्या: 941, तिथि: 29 मई 2019

836. फेर नढ़रो बेल तर जेती- शब्द संख्या: 1553, तिथि: 01 जून 2019

837. काजक धुनि- शब्द संख्या: 1065, तिथि: 03 जून 2019

838. सोरहामे सुर्रा लगि गेल- शब्द संख्या: 1618, तिथि: 06 जून 2019

839. अगराही- शब्द संख्या: 944, तिथि: 08 जून 2019

840. जेकरे-ले चोरि केलौं सएह कहैए चोरा- श.सं.: 1556, तिथि: 11 जून 2019

841. भौक- शब्द संख्या: 1403, तिथि: 14 जून 2019

842. मनतरक पावर- शब्द संख्या: 1598, तिथि: 17 जून 2019

843. हाल-चाल- शब्द संख्या: 1519, तिथि: 20 जून 2019

844. अधमरु साँपक डँस- शब्द संख्या: 1525, तिथि: 23 जून 2019

845. के मानत?- शब्द संख्या: 1721, तिथि: 29 जून 2019

846. दियादीक फेड़- शब्द संख्या: 1412, तिथि: 03 जुलाई 2019

847. वाह रे आदत- शब्द संख्या: 1455, तिथि: 06 जुलाई 2019

848. कटबी सुइद- शब्द संख्या: 1435, तिथि: 09 जुलाई 2019

849. तिलकौआ छत्ता- शब्द संख्या: 1948, तिथि: 13 जुलाई 2019

850. अपने जिनगी भार बनि गेल- शब्द संख्या: 1539, तिथि: 16 जुलाई 2019

851. कलेश- शब्द संख्या: 1509, तिथि: 20 जुलाई 2019

852. गामक आशा टुटि गेल- शब्द संख्या: 2338, तिथि: 24 जुलाई 2019

853. आब इज्जत नइ बँचत- शब्द संख्या: 2046, तिथि: 28 जुलाई 2019

854. अँगनाक बीरार- शब्द संख्या: 1856, तिथि: 31 जुलाई 2019

855. भेँट-घाँट- शब्द संख्या: 1884, तिथि: 03 अगस्त 2019

856. कोसा- शब्द संख्या: 1999, तिथि: 07 अगस्त 2019

857. दहेजक गाए- शब्द संख्या: 2076, तिथि: 15 अगस्त 2019

858. चलती- शब्द संख्या: 1770, तिथि: 18 अगस्त 2019

859. तीन बुड़िवान- शब्द संख्या: 1901, तिथि: 21 अगस्त 2019

860. एकाधिकारी जाति- शब्द संख्या: 2198, तिथि: 24 अगस्त 2019

861. अपन करखन्ना- शब्द संख्या: 1704, तिथि: 28 अगस्त 2019

862. लड़कपन- शब्द संख्या: 2150, तिथि: 03 अक्टूबर 2019

863. कुदृष्टि- शब्द संख्या: 2435, तिथि: 08 अक्टूबर 2019

864. हकार- शब्द संख्या: 2012, तिथि: 16 अक्टूबर 2019

865. दलखिच्चड़मे घी- शब्द संख्या: 2286, तिथि: 25 अक्टूबर 2019

866. दोहरी दहार- शब्द संख्या: 2154, तिथि: 02 नवम्बर 2019

867. पसेनाक मोल- शब्द संख्या: 1748, तिथि: 06 नवम्बर 2019

868. बुढ़ापा- शब्द संख्या: 2122, तिथि: 10 नवम्बर 2019

869. पुरना घराड़ी- शब्द संख्या: 2092, तिथि: 14 नवम्बर 2019

870. जगरनथिया भोज- शब्द संख्या: 2416, तिथि: 18 नवम्बर 2019

871. कृषियोग- शब्द संख्या- शब्द संख्या: 2010, तिथि: 22 नवम्बर 2019

872. काजक रोप- शब्द संख्या: 2679, तिथि: 21 दिसम्बर 2019

873. खटसमाद- शब्द संख्या: 2909, तिथि: 27 दिसम्बर 2019

874. जीबठपन- शब्द संख्या: 2577, तिथि: 02 जनवरी 2020

875. गोटी लाल- शब्द संख्या: 2364, तिथि: 06 जनवरी 2020

876. अपनाकेँ चिन्हैत चलिहह- शब्द संख्या: 2361, तिथि: 11 जनवरी 2020

877. दहेज- शब्द संख्या: 2431, तिथि: 15 जनवरी 2020

878. जेहेन मति तेहेन गति- शब्द संख्या: 2630, तिथि: 21 जनवरी 2020

879. केते लग केते दूर- शब्द संख्या: 2660, तिथि: 31 जनवरी 2020

880. अपन कर्तव्य आकि उपकार- शब्द संख्या: 2410, तिथि: 05 फरवरी 2020

881. जिनगी भौर भेलह हेन- शब्द संख्या: 2789, तिथि: 10 फरवरी 2020

882. वसन्त पंचमी- शब्द संख्या: 2767, तिथि: 16 फरवरी 2020

883. चुटका सुतरल- शब्द संख्या: 2445, तिथि: 21 फरवरी 2020

884. हारल चेहरा जीतल रूप- शब्द संख्या: 2255, तिथि: 25 फरवरी 2020

885. अग्नि परीछा- शब्द संख्या: 3097, तिथि: 01 मार्च 2020

886. आसीरवचन- शब्द संख्या: 2564, तिथि: 06 मार्च 2020

887. दहिबरी- शब्द संख्या: 2560, तिथि: 12 मार्च 2020

888. सघन बन- शब्द संख्या: 2697, तिथि: 17 मार्च 2020

889. हुसैत लोक- शब्द संख्या: 2602, तिथि: 23 मार्च 2020

890. हुसि गेलौं- शब्द संख्या: 2574, तिथि: 28 मार्च 2020

891. झूठक झालि- शब्द संख्या: 2352, तिथि: 01 अप्रैल 2020

892. दुष्टपन- शब्द संख्या: 2317, तिथि: 06 अप्रैल 2020

893. रहै जोकर परिवार- शब्द संख्या: 2297, तिथि: 15 अप्रैल 2020

894. परिपक्व निरलज- शब्द संख्या: 2232, तिथि: 20 अप्रैल 2020

895. अप्पन काज अपने चिन्हू- शब्द संख्या: 2278, तिथि: 24 अप्रैल 2020

896. लजाउ काज- शब्द संख्या: 2394, तिथि: 02 मई 2020

897. सुचिता- एक : शब्द संख्या: 4352, तिथि: 30 मई 2020

898. सुचिता- दू : शब्द संख्या: 4459, तिथि: 08 जून 2020

899. सुचिता- तीन : शब्द संख्या: 4672, तिथि: 15 जून 2020

900. सुचिता- चारि : शब्द संख्या: 4022, तिथि: 02 जुलाई 2020

901. सुचिता- पाँच : शब्द संख्या: 2757, तिथि: 08 जुलाई 2020

902. सुचिता- छह : शब्द संख्या: 3188, तिथि: 14 जुलाई 2020

903. सुचिता- सात : शब्द संख्या: 4483, तिथि: 24 जुलाई 2020

904. सीमावद्ध जीवन- शब्द संख्या: 2420, तिथि: 01 अगस्त 2020

905. कर्ताक रंग कर्मक संग- शब्द संख्या: 2757, तिथि: 06 अगस्त 2020

906. जिनगीक हिसाब- शब्द संख्या: 2711, तिथि: 11 अगस्त 2020

907. अपना जनैत- शब्द संख्या: 2881, तिथि: 16 अगस्त 2020

908. सुदृढ़ जिनगी- शब्द संख्या: 3460, तिथि: 23 अगस्त 2020

908. मुराम जगह- शब्द संख्या: 3575, तिथि: 31 अगस्त 2020

909. गामक सूरत बदैल गेल : शब्द संख्या: 3340, तिथि: 07 सितम्बर 2020

910. दोसर रस्ता नहि- शब्द संख्या: 2808, तिथि: 13 सितम्बर 2020

911. विचारधाराक भथान- शब्द संख्या: 2659, तिथि: 19 सितम्बर 2020

912. परिवार बिलैट गेल- शब्द संख्या: 3132, तिथि: 26 सितम्बर 2020

913. अनचोकक इजोत- शब्द संख्या: 3339, तिथि: 03 अक्टूबर 2020

914. केलहा सभ पानिमे गेल- शब्द संख्या: 3199, तिथि: 09 अक्टूबर 2020

915. पएर तरक धरती डोलि गेल- शब्द संख्या: 2346, तिथि: 15 अक्टूबर 2020

916. जबुरिया कागज- शब्द संख्या: 3366, तिथि: 22 अक्टूबर 2020

917. बेटाक बिआह- शब्द संख्या: 3734, तिथि: 30 अक्टूबर 2020

918. जीवनमे जान आएल- शब्द संख्या: 3325, तिथि: 06 नवम्बर 2020

919. पोसलाक फल- शब्द संख्या: 3039, तिथि: 12 नवम्बर 2020

920. अन्तिम परीक्षा- शब्द संख्या: 2933, तिथि: 18 नवम्बर 2020

921. गाम आब ओ गाम रहल! - शब्द संख्या: 3038, तिथि: 24 नवम्बर 2020

922. जिनकर जीत तिनकर माला- शब्द सं.: 3025, तिथि: 30 नवम्बर 2020

923. नवका लोक : शब्द संख्या- 3215, तिथि: 06 दिसम्बर 2020

924. काजक उत्तर काज- शब्द संख्या: 3366, तिथि: 12 दिसम्बर 2020

925. घरक खर्च- शब्द संख्या: 3731, तिथि: 19 दिसम्बर 2020

926. समाजक भागे- शब्द संख्या: 3338, तिथि: 25 दिसम्बर 2020

927. बाबा हाथक कोदारि हल्लुक- शब्द संख्या: 4091, तिथि: 02 जनवरी 2021

928. परिवारक विघटन- शब्द संख्या: 2143, तिथि: 07 जनवरी 2021

929. हारल विचार- शब्द संख्या: 3657, तिथि: 14 जनवरी 2021

930. मोड़पर- एक : शब्द संख्या: 4422, तिथि: 25 जनवरी 2021

931. मोड़पर- दू : शब्द संख्या: 3734, तिथि: 01 फरवरी 2021

932. मोड़पर- तीन : शब्द संख्या: 3157, तिथि: 08 फरवरी 2021

933. मोड़पर- चारि : शब्द संख्या: 4844, तिथि: 19 फरवरी 2021

934. मोड़पर- पाँच : शब्द संख्या: 6382, तिथि: 06 मार्च 2021

935. मोड़पर- छह : शब्द संख्या: 2150, तिथि: 10 मार्च 2021

936. मोड़पर- सात : शब्द संख्या: 788, तिथि: 11 मार्च 2021

937. मोड़पर- आठ : शब्द संख्या: 927, तिथि: 12 मार्च 2021

938. मोड़पर- नअ : शब्द संख्या: 1127, तिथि: 14 मार्च 2021

939. मोड़पर- दस : शब्द संख्या: 585, तिथि: 15 मार्च 2021

940. मोड़पर- एगारह : शब्द संख्या: 265, तिथि: 16 मार्च 2021

941. संकल्प- एक : शब्द संख्या: 2988, तिथि: 25 मार्च 2021

942. संकल्प- दू : शब्द संख्या: 1903, तिथि: 29 मार्च 2021

943. संकल्प- तीन : शब्द संख्या: 3101, तिथि: 04 अप्रैल 2021

944. संकल्प- चारि : शब्द संख्या: 3197, तिथि: 10 अप्रैल 2021

945. संकल्प- पाँच : शब्द संख्या: 3202, तिथि: 17 अप्रैल 2021

946. संकल्प- छह : शब्द संख्या: 2026, तिथि: 21 अप्रैल 2021

947. संकल्प- सात : शब्द संख्या: 3139, तिथि: 29 अप्रैल 2021

948. संकल्प- आठ : शब्द संख्या: 2440, तिथि: 04 मई 2021

949. संकल्प- नअ : शब्द संख्या: 2368, तिथि: 08 मई 2021

950. संकल्प- दस : शब्द संख्या: 3977, तिथि: 15 मई 2021

951. अन्तिम क्षण- एक : शब्द संख्या: 2874, तिथि: 20 मई 2021

952. अन्तिम क्षण- दू : शब्द संख्या: 6126, तिथि: 04 जून 2021

953. अन्तिम क्षण- तीन : शब्द संख्या: 3669, तिथि: 12 जून 2021

954. अन्तिम क्षण- चारि : शब्द संख्या: 5817, तिथि: 24 जून 2021

955. अन्तिम क्षण- पाँच : शब्द संख्या: 4916, तिथि: 04 जुलाई 2021

956. परिवारे गजपटा गेल : शब्द संख्या: 1881, तिथि: 09 जुलाई 2021

957. समयक थपेड़मे- शब्द संख्या: 1798, तिथि: 14 जुलाई 2021

958. की सत्त की फुइस?- शब्द संख्या: 1793, तिथि: 17 जुलाई 2021

959. कुभाँज समयक भाँजमे- शब्द संख्या: 1671, तिथि: 21 जुलाई 2021

960. देखल गाम- शब्द संख्या: 1737, तिथि: 25 जुलाई 2021

961. अपना ले- शब्द संख्या: 1903, तिथि: 03 अगस्त 2021

962. तीन धक्का- शब्द संख्या: 1759, तिथि: 06 अगस्त 2021

963. अजीब खेल- शब्द संख्या: 2362, तिथि: 20 अगस्त 2021

964. नीक ठकान ठकेलौं- शब्द संख्या: 2798, तिथि: 25 अगस्त 2021

965. केकरो भरोस- शब्द संख्या: 2237, तिथि: 31 अगस्त 2021

966. बाड़ी भेल धनहर- शब्द संख्या: 1820, तिथि: 04 सितम्बर 2021

967. कुण्ठा- एक : शब्द संख्या: 2284, तिथि: 15 सितम्बर 2021

968. कुण्ठा- दू : शब्द संख्या: 2150, तिथि: 23 सितम्बर 2021

969. कुण्ठा- तीन : शब्द संख्या: 1324, तिथि: 29 सितम्बर 2021

970. कुण्ठा- चारि : शब्द संख्या: 4458, तिथि: 10 अक्टूबर 2021

971. कुण्ठा- पाँच : शब्द संख्या: 2673, तिथि: 18 अक्टूबर 2021

972. कुण्ठा- छह : शब्द संख्या: 2852, तिथि: 24 अक्टूबर 2021

973. कुण्ठा- सात : शब्द संख्या: 1901, तिथि: 18 अक्टूबर 2021

974. कुण्ठा- आठ : शब्द संख्या: 1948, तिथि: 01 नवम्बर 2021

975. कुण्ठा- नअ : शब्द संख्या: 1901, तिथि: 05 नवम्बर 2021

976. कुण्ठा- दस : शब्द संख्या: 2022, तिथि: 09 नवम्बर 2021

977. सुदृढ़ जीवन- शब्द संख्या: 2587, तिथि: 14 नवम्बर 2021

978. सागवानक बागवानी- शब्द संख्या: 2369, तिथि: 05 दिसम्बर 2021

979. बिनु खुट्टाक गाए- शब्द संख्या: 2191, तिथि: 10 दिसम्बर 2021

980. जीवनक कर्म जीवनक मर्म- शब्द संख्या: 2893, तिथि: 16 दिसम्बर 2021

981. घरैया मूस- शब्द संख्या: 2791, तिथि: 22 दिसम्बर 2021

982. टुटि कS खसि पड़लैन- शब्द संख्या: 2182, तिथि: 29 दिसम्बर 2021

983. मृत्युसजियापर पड़ल विवेक बाबा- शब्द सं.: 2294, ति. : 03 जनवरी 2022

984. संचरण- शब्द संख्या: 2477, तिथि: 08 जनवरी 2022

985. जिनगीसँ प्रेम- शब्द संख्या: 2278, तिथि: 14 जनवरी 2022

986. परिवारे बगैद गेल- शब्द संख्या: 2299, तिथि: 21 फरवरी 2022

987. जिनगी पिछैड़ गेल- शब्द संख्या: 2859, तिथि: 02 मार्च 2022

988. श्रमहीन- शब्द संख्या: 3105, तिथि: 08 मार्च 2022

989. समुद्रलंघन- शब्द संख्या: 3274, तिथि: 21 मार्च 2022

990. परिवारक भार- शब्द संख्या: 2402, तिथि: 28 मार्च 2022

991. हीन-हीनाइत विवेक- शब्द संख्या: 2347, तिथि: 02 अप्रैल 2022

992. चेहराक निखार- शब्द संख्या: 2496, तिथि: 06 अप्रैल 2022

993. भरि मन काज- शब्द संख्या: 2281, तिथि: 12 अप्रैल 2022

994. विचारे मरि गेल- शब्द संख्या: 2302, तिथि: 21 अप्रैल 2022

995. मृत्युक भय मेटा गेल- शब्द संख्या: 2536, तिथि: 26 अप्रैल 2022

996. घरक बात- शब्द संख्या: 2686, तिथि: 01 मई (मजदूर दिवस) 2022

997. अप्पन दलान- शब्द संख्या: 2480, तिथि: 06 मई 2022

998. कंजूसपन- शब्द संख्या: 2589, तिथि: 11 मई 2022

999. आएल आशा चलि गेल- शब्द संख्या: 1478, तिथि: 15 मई 2022

1000. अकारण- शब्द संख्या: 1918, तिथि: 18 मई 2022

1001. अछोप- शब्द संख्या: 1590, तिथि: 21 मई 2022

1002. अप्पन बेइमानी- शब्द संख्या: 1560, तिथि: 24 मई 2022

1003. उनटन- शब्द संख्या: 1581, तिथि: 24 मई 2022

1004. अर्द्धांगिनी- शब्द संख्या: 1511, तिथि: 30 मई 2022

995. बहवाँइर- शब्द संख्या: 1538, तिथि: 04 जून 2022

1006. पाक मास्टर- शब्द संख्या: 1387, तिथि: 07 जून 2022

1007. साइंस टीचर- शब्द संख्या: 1301, तिथि: 10 जून 2022

1008. इज्जत लऽ लेलक- शब्द संख्या: 1367, तिथि: 13 जून 2022

1009. निसगर पान- शब्द संख्या: 1346, तिथि: 15 जून 2022

1010. विरोध- शब्द संख्या: 1452, तिथि: 19 जून 2022

1011. जीवन दान- शब्द संख्या: 1405, तिथि: 26 जून 2022

1012. बाग-बगिया- शब्द संख्या: 1272, तिथि: 30 जून 2022

1013. विश्वास पात्र- शब्द संख्या: 1374, तिथि: 02 जुलाई 2022

1014. विचारक टिटकारी- शब्द संख्या: 1335, तिथि: 05 जुलाई 2022

1015. लत- शब्द संख्या: 1375, तिथि: 08 जुलाई 2022

1016. जीवन खटाइमे पड़ि गेल- शब्द संख्या: 1220, तिथि: 11 जुलाई 2022

1017. कर्ज- शब्द संख्या: 1256, तिथि: 13 जुलाई 2022

1018. बहादुरी- शब्द संख्या: 1268, तिथि: 16 जुलाई 2022

1019. हमरो खगता छै- शब्द संख्या: 1178, तिथि: 20 जुलाई 2022

1020. सपना- शब्द संख्या: 1241, तिथि: 23 जुलाई 2022

1021. संगे-संग एलौं संगिया मरि गेल हम भुतिआइ छी- श.: 1303, 26.7.2022

1022. उवाणि- शब्द संख्या: 1264, तिथि: 29 जुलाई 2022

1023. विचारक प्रबलता- शब्द संख्या: 1268, तिथि: 01 अगस्त 2022

1024. अपन रचित रचना- शब्द संख्या: 1481, तिथि: 07 अगस्त 2022

1025. थाहल संगी- शब्द संख्या: 1331, तिथि: 10 अगस्त 2022

1026. आत्मबल- शब्द संख्या: 1267, तिथि: 13 अगस्त 2022

1027. विश्वासहीन- शब्द संख्या: 1405, तिथि: 16 अगस्त 2022

1028. बुलन्दी- शब्द संख्या: 1329, तिथि: 19 अगस्त 2022

1029. अप्पन साती- शब्द संख्या: 1287, तिथि: 22 अगस्त 2022

1030. खिच्चड़ि- शब्द संख्या: 1624, तिथि: 26 अगस्त 2022

1031. भंगतराह कवि- शब्द संख्या: 1364, तिथि: 01 सितम्बर 2022

1032. भंगतराह कवि- शब्द संख्या: 1357, तिथि: 01 सितम्बर 2022

1033. कनियेँ-मनियेँ पूँजी- शब्द संख्या: 1315, तिथि: शिक्षक दिवस 2022

1034. पुरुखढौह- शब्द संख्या: 1263, तिथि: 08 सितम्बर 2022

1035. सिमानक झगड़ा- शब्द संख्या: 1232, तिथि: 13 सितम्बर 2022

1036. जिनगी भार बनि गेल- शब्द संख्या: 1312, तिथि: 16 सितम्बर 2022

1037. परिवारक योग- शब्द संख्या: 1295, तिथि: 19 सितम्बर 2022

1038. मनुक्ख खौक- शब्द संख्या: 1183, तिथि: 25 सितम्बर 2022

1039. साहित्यकारक विवेक- शब्द संख्या: 1141, तिथि: 28 सितम्बर 2022

1040. भाषाक बेथा- शब्द संख्या: 1231, तिथि: 01 अक्टूबर 2022

1041. बुझबे ने केलिऐ- शब्द संख्या: 1227, तिथि: 05 अक्टूबर 2022

1042. जीवनक सम्बन्ध- शब्द संख्या: 1187, तिथि: 08 अक्टूबर 2022

1043. गैंचाह लोक- शब्द संख्या: 1113, तिथि: 11 अक्टूबर 2022

1044. जिनगीकेँ पटैक भगलौं- शब्द संख्या: 1258, तिथि: 14 अक्टूबर 2022

1045. अन्तिम आशा- शब्द संख्या: 1365, तिथि: 17 अक्टूबर 2022

1046. गजपट मारि- शब्द संख्या: 1327, तिथि: 20 अक्टूबर 2022

1047. कन्हजोड़- शब्द संख्या: 1346, तिथि: 23 अक्टूबर 2022

1048. अनहोनी- शब्द संख्या: 1308, तिथि: 26 अक्टूबर 2022

1049. होनी- शब्द संख्या: 1236, तिथि: 29 अक्टूबर 2022

1050. भवितव्य- शब्द संख्या: 1130, तिथि: 02 नवम्बर 2022

1051. ओसचट बीमारी : शब्द संख्या: 1260, तिथि: 05 नवम्बर 2022

1052. पुत्र परीक्षा : शब्द संख्या: 1286, तिथि: 09 नवम्बर 2022

1053. अप्पन मन बुझाएब- शब्द संख्या: 1294, तिथि: 12 नवम्बर 2022

1054. जड़ौर- शब्द संख्या: 1304, तिथि: 15 नवम्बर 2022

1055. अलोपित- शब्द संख्या: 1360, तिथि: 18 नवम्बर 2022

1046. कुमहरक बतिया- शब्द संख्या: 1240, तिथि: 21 नवम्बर 2022

1057. सिमानक आड़ि- शब्द संख्या: 1289, तिथि: 26 नवम्बर 2022

1058. नब बनक नब फल- शब्द संख्या: 1412, तिथि: 30 नवम्बर 2022

1059. सुमारक- शब्द संख्या: 1246, तिथि: 04 दिसम्बर 2022

1060. अन्तिम भेँट- शब्द संख्या: 1277, तिथि: 08 दिसम्बर 2022

1061. अनहरिया- शब्द संख्या: 1356, तिथि: 12 दिसम्बर 2022

1062. निरन्तर- शब्द संख्या: 3025, तिथि: 21 दिसम्बर 2022

1063. शॉर्टकट रास्ता- शब्द संख्या: 1620, तिथि: 26 दिसम्बर 2022

1064. अपेछा टुटि गेल- शब्द संख्या: 1739, तिथि: 30 दिसम्बर 2022

1065. सुनयना बेटी : 01- शब्द संख्या: 1728, तिथि: 05 जनवरी 2023

1066. सुनयना बेटी : 02- शब्द संख्या: 3540, तिथि: 14 जनवरी 2023

1067. सुनयना बेटी : 03- शब्द संख्या: 3722, तिथि: 25 जनवरी 2023

1068. सुनयना बेटी : 04- शब्द संख्या: 1987, तिथि: 30 जनवरी 2023

1069. सुनयना बेटी : 05- शब्द संख्या: 3802, तिथि: 06 फरवरी 2023

1070. सुनयना बेटी : 06- शब्द संख्या: 1821, तिथि: 10 फरवरी 2023

1071. सुनयना बेटी : 07- शब्द संख्या: 925, तिथि: 12 फरवरी 2023

1072. सुनयना बेटी : 08- शब्द संख्या: 2999, तिथि: 18 फरवरी 2023

1073. सुनयना बेटी : 19- शब्द संख्या: 1926, तिथि: 22 फरवरी 2023

1074. सुनयना बेटी : 10- शब्द संख्या: 1953, तिथि: 26 फरवरी 2023

1075. आब नइ जीब- शब्द संख्या: 2097, तिथि: 2 मार्च 2023

1076. सेहन्ता सेहन्ते रहि गेल- शब्द संख्या: 2013, तिथि: 06 मार्च 2023

1077. धुरफन्ना लोक- शब्द संख्या: 1891, तिथि: 10 मार्च 2023

1078. घरदेखी- शब्द संख्या: 1846, तिथि: 14 मार्च 2023

1079. बासभूमि- शब्द संख्या: 2639, तिथि: 31 मार्च 2023

1080. इज्जत पर पड़ि गेल- शब्द संख्या: 2698, तिथि: 07 अप्रैल 2023

1081. अहीं जीतलौं- शब्द संख्या: 2884, तिथि: 13 अप्रैल 2023

1082. गामसँ गाए उपैट गेल- शब्द संख्या: 2454, तिथि: 20 अप्रैल 2023

1083. भारक बड़बड़िया- शब्द संख्या: 1727, तिथि: 24 अप्रैल 2023

1084. रूपैँ बदैल गेल- शब्द संख्या: 1736, तिथि: 28 अप्रैल 2023

1085. वंशक धर्म- शब्द संख्या: 1881, तिथि: 02 मई 2023

1086. उपराग- शब्द संख्या: 1358, तिथि: 05 मई 2023

1087. केकरा भगाउ आ केकरा बसाउ- शब्द संख्या: 1390, तिथि: 08 मई 2023

1088. खीरा लत्तीमे रोजगार- शब्द संख्या: 1377, तिथि: 11 मई 2023

1089. टकुआटान- शब्द संख्या: 2302, तिथि: 19 मई 2023

1090. पोस्टमार्टम- शब्द संख्या: 1852, तिथि: 23 मई 2023

1091. ऐ सालक नाह बुड़ि गेल- शब्द संख्या: 1761, तिथि: 27 मई 2023

1092. सामंजस्य- शब्द संख्या: 1868, तिथि: 01 जून 2023

1093. महींसवारक गाम- शब्द संख्या: 1337, तिथि: 04 जून 2023

1094. दसअना छहअना- शब्द संख्या: 1243, तिथि: 07 जून 2023

1095. वाह रे हम- शब्द संख्या: 1291, तिथि: 10 जून 2023

1096. एक जूम तमाकुल- शब्द संख्या: 1290, तिथि: 13 जून 2023

1097. चपरासी गाम- शब्द संख्या: 1201, तिथि: 17 जून 2023

1098. बनरफाँस- शब्द संख्या: 1279, तिथि: 19 जून 2023

1099. हँस्सा ठक- शब्द संख्या: 1889, तिथि: 26 जून 2023

1100. विश्वासू मन- शब्द संख्या: 1724, तिथि: 30 जून 2023

1101. चोरनी पिल्ली- शब्द संख्या: 1883, तिथि: 04 जुलाई 2023

1102. गामक जमीने पथरा गेल- शब्द संख्या: 1837, तिथि: 08 जुलाई 2023

1103. एकलव्यपन- शब्द संख्या: 2087, तिथि: 14 जुलाई 2023

1104. केलहा साफल- शब्द संख्या: 2102, तिथि: 19 जुलाई 2023

1105. त्रिशुलपर लटकल गाम- शब्द संख्या: 2007, तिथि: 23 जुलाई 2023

1106. त्रिशंकु गाम- शब्द संख्या: 2151, तिथि: 28 जुलाई 2023

1107. चारिम कनियाँ- शब्द संख्या: 1995, तिथि: 01 अगस्त 2023

1108. वंश नाश- शब्द संख्या: 1988, तिथि: 06 अगस्त 2023

1109. लोक लाज- शब्द संख्या: 1781, तिथि : 10 अगस्त 2023

1110. धानक कमठौन- शब्द संख्या: 1580, तिथि : 30 अगस्त 2023

1111. एक चुटकी खुशी- शब्द संख्या: 2053, तिथि : 02 सितम्बर 2023

1112. अनका सिर- शब्द संख्या: 1801, तिथि: शिक्षक दिसव 2023

1113. समयक फेड़- शब्द संख्या: 1531, तिथि: 08 सितम्बर 2023

1114. कोढ़ि- शब्द संख्या: 1511, तिथि: 11 सितम्बर 2023

1115. मुहाँ-ठुट्ठी- शब्द संख्या: 1167, तिथि: 13 सितम्बर 2023

1116. औनाकऽ मरए लगलौं- शब्द संख्या: 1060, तिथि: 13 सितम्बर 2023

1117. जेहेन आँखि तेहेन पाँखि- शब्द संख्या: 1077, तिथि: 17 सितम्बर 2023

1118. चौरचनक केरा- शब्द संख्या: 1185, तिथि: 19 सितम्बर 2023

1119. सुख-दुख- शब्द संख्या: 1708, तिथि: 04 अक्टूबर 2023

1120. दुख-सुख- शब्द संख्या: 1629, तिथि: 07 अक्टूबर 2023

1121. जीवन की आ जीवनक उद्देश्य की- श. सं.: 1571, ति.: 10 अक्टूबर 2023

1122. अंधविश्वास- शब्द संख्या: 1509, तिथि: 13 अक्टूबर 2023

1123. बखेरिया लोक- शब्द संख्या: 1528, तिथि: 16 अक्टूबर 2023

1124. नव जीवन- शब्द संख्या: 1620, तिथि: 19 अक्टूबर 2023

1125. प्रीति- शब्द संख्या: 1610, तिथि: 19 अक्टूबर 2023

1126. पुरुषार्थ- शब्द संख्या: 1667, तिथि: 25 अक्टूबर 2023

1127. मन टँगि गेल- शब्द संख्या: 1702, तिथि: 28 अक्टूबर 2023

1128. नियति आ पुरुषार्थ- शब्द संख्या: 1714, तिथि: 31 अक्टूबर 2023

1129. जे ननू से गर्भहि ननू- शब्द संख्या: 1639, तिथि: 03 नवम्बर 2023

1130. पुरुखक डीह- शब्द संख्या: 1666, तिथि: 06 नवम्बर 2023

1131. पाशापर- शब्द संख्या: 1707, तिथि: 09 नवम्बर 2023

1132. संचरण- शब्द संख्या: 1743, तिथि: 14 नवम्बर 2023

1133. कंजूस- शब्द संख्या: 1636, तिथि: 17 नवम्बर 2023

1134. बाबाक पौती- शब्द संख्या: 1640, तिथि: 20 नवम्बर 2023

1135. भँसिया गेलौं- शब्द संख्या: 1614, तिथि: 23 नवम्बर 2023

1136. उबारि देलौं- शब्द संख्या: 1645, तिथि: 28 नवम्बर 2023

1137. श्रद्धा- शब्द संख्या: 1619, तिथि: 01 दिसम्बर 2023

1138. केकरोपर आश्रित- शब्द संख्या: 1641, तिथि: 04 दिसम्बर 2023

1139. समैया लुच्चा- जारी...

❑❑❑

❑❑

❑

Notes